आलोक प्रवंजन वेलफेयर सोसाइटी के 14वें असम राइजिंग यूथ कॉन्क्लेव में महामहिम राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया जी का अभिभाषण

दिनांक : 5 जनवरी 2024, शुक्रवार	**समय : 5.30 PM**	**स्थान : ताज विवांता, खानापाड़ा**

- मटक स्वशाषी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य
  श्री डेविड चेतिया
- असम सरकार के छात्र एवं युवा कल्याण विभाग की राज्य स्तरीय सलाहकार समिति के सदस्य सचिव
  श्री गितार्थ गोस्वामी जी,
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, उत्तर प्रांत के प्रांत बौधिक प्रमुख
  श्री तिर्थांक दास कलिता जी,
- दैनन्दिन वार्ता प्रकाशन समूह के संस्थापक
  श्री शंकर गोहाईं जी,
- उपस्थित अन्य अतिथिगण
- आलोक प्रभंजन वेलफेयर सोसाइटी के सम्मानित अधिकारीगण एवं सदस्यगण
- मीडिया के हमारे मित्रों,
- देवियों और सज्जनों,

नमस्कार !

“14वें असम राइजिंग यूथ कान्क्लेव के समापन एवं पुरस्कार समारोह” में आज आप सभी के बीच उपस्थित होकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। मुझे इस कार्यक्रम आमंत्रित करने के लिए “आलोक प्रभंजन वेलफेयर सोसाइटी” को हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

इस दो दिवसीय युवा सम्मेलन में युवाओं की दक्षता, कौशल विकास और उनकी समस्याओं से संबंधित विषयों पर चर्चा निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। मैं इस सम्मेलन के सार्थक निष्कर्ष प्राप्त होने तथा इसकी सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही इस युवा सम्मेलन का आयोजन करने के लिए संगठन को धन्यवाद देता हूं।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि 2011 में स्थापित “आलोक प्रभंजन वेलफेयर सोसाइटी” अपने विभिन्न कार्यों और पहलों के माध्यम से लोगों को, विशेषकर युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण में सराहनीय योगदान दे रहा है। मैं समझता हूं कि यह बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि युवाओं एवं महिलाओं के सशक्तिकरण से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

एक जीवंत और विकसित असम बनाने की दृष्टि से संगठन युवाओं को तकनीकी शिक्षा, कौशल और प्रशिक्षण देकर उन्हें प्रोत्साहित करने, उनमें आत्मविश्वास जगाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। संगठन असम की भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ पत्रकारिता और मीडिया के प्रति रुझान रखने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को सशक्त बनाने का भी सराहनीय कार्य कर रहा है।

मुझे जानकर प्रसन्नता हुई कि "आलोक प्रभंजन वेलफेयर सोसाइटी" पिछले 12 विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य एवं योगदान देने वाले को **"असम राइजिंग अवार्ड"** से सम्मानित करता है। इस अवार्ड के अंतर्गत इस वर्ष का "दैनान्दिन वार्ता" पुरस्कार जाने-माने पत्रकार "पद्मश्री" श्री धीरेंद्र नाथ बेजबरुवा जी को प्रदान किया गया है। पिछले महीने ही उन्हें प्रतिष्ठित "सुकाफा पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। मैं उन्हें इन उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। मैं इस कार्यक्रम में पुरस्कृत होने वाले अन्य विशिष्ट लोगों को भी बधाई देता हूं।

बंधुओं,

भारत एक युवा राष्ट्र है और हम सौभाग्यशाली हैं कि आज हमारे पास विश्व की सर्वाधिक युवा शक्ति है। हमें इस युवा शक्ति का उचित रूप से प्रबंधन करना होगा।

गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से उन्हें कुशल और दक्ष बनाना होगा, उनका उचित मार्गदर्शन करना होगा। हमें युवाओं को राष्ट्रीय भावना से प्रेरित करने के लिए भी काम करना होगा, तभी हम युवा शक्ति को विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ाने में सफल होंगे।

भारत का इतिहास साक्षी है कि देश में जितने भी बड़े परिवर्तन हुए हैं, वे युवाओं की प्रबल इच्छा शक्ति से ही संभव हो पाये हैं। आवश्यकता केवल इस बात की रहती है कि युवाओं का सकारात्मक मार्गदर्शन कर उन्हें सही दिशा में प्रेरित किया जाये। हमारे देश के युवाओं में जोश है, उमंग है। देश के युवा सफलता के शिखर पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

हमारे देश का भविष्य युवाओं के परिश्रम और कार्यकुशलता पर निर्भर है। युवा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संकल्पबद्ध होकर जितना अधिक परिश्रम करेगा, निश्चय ही वह सफलता को प्राप्त कर लेगा। युवाओं की सफलता से ही देश आगे बढ़ेगा और विकसित भारत का सपना साकार होगा।

आज युवाओं को उनके जीवन में आगे बढ़ने के लिए उनकी क्षमता के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्रदान करने होंगे ताकि वे सही रास्ते पर आगे बढ़ सकें।

युवा पीढ़ी में स्किल व कार्य-कौशल विकसित कर राष्ट्र के उत्थान हेतु समर्पित करने की आवश्यकता है। स्किल यानि हुनर व्यक्ति के काम को ही नहीं, उसकी प्रतिभा एवं प्रभाव को भी बेहतर बनाता है।

नई शिक्षा नीति 2020 में कौशल एवं व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। ऐसा प्रावधान किया गया है कि प्रत्येक छात्र कम से कम एक व्यवसाय से जुड़े और कौशल को सीखें। इस नीति के सफल क्रियान्वयन होने से ऐसी नई पीढ़ी तैयार होगी, जो किताबी शिक्षा और कौशल, दोनों में निपुण होंगे। वे रोजगार ढूंढ़ने वाली पीढ़ी नहीं होगी, बल्कि रोजगार देने वाली पीढ़ी होगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय कौशल विकास और उद्यमिता नीति के जरिए बड़े बदलावों की आधारशिला रखी गई है। आज राष्ट्र तेजी से आत्मनिर्भरता के जिस लक्ष्य की ओर अग्रसर है, उसमें स्टार्टअप, उद्यमिता और कौशल विकास की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसे देखते हुए आज का समय सरकारी नौकरी के पीछे भागने का नहीं, बल्कि स्वयं का उद्यम स्थापित कर दूसरों को रोजगार देने का है। सरकार ने हर क्षेत्र में उद्यमिता के संवर्धन के लिए सहायता के दरवाजे खोले हैं।

भारत सरकार ने 31 अक्टूबर 2023 को देश के हर युवा को बराबर अवसर प्रदान करने के लिए “मेरा युवा भारत” परियोजना शुरू की है। इसकी कल्पना युवा नेतृत्व और युवा विकास के लिए एक महत्वपूर्ण, प्रौद्योगिकी संचालित सुविधा प्रदाता के रूप में की गई है।

इस परियोजना का लक्ष्य युवाओं को उनकी आकांक्षाओं को साकार करने और नवाचार के लिए प्रोत्साहित करने और समान अवसर प्रदान करना है। यह युवाओं को सरकारी योजनाओं और पहलों से जोड़ने और उन्हें सामाजिक नवप्रवर्तक बनने के लिए भी प्रोत्साहित करेगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पहल प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए देश के हर युवा को बरारबर अवसर प्रदान करने के एक तंत्र के रूप में काम करेगा। यह युवा शक्ति को विकसित भारत बनाने हेतु प्रेरित करने का सशक्त माध्यम बनेगा।

मेरे प्यारे युवाओं,

किसी भी राष्ट्र की सामाजिक-आर्थिक तथा सांस्कृतिक उन्नति में आपकी भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। आप देश की रीढ़ हैं। आप देश और समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की क्षमता और सामर्थ्य रखते हैं।

आपके भीतर असीमित ऊर्जा का स्रोत मौजूद है। आप देश के भावी कर्णधार हैं। देश की समृद्धि, खुशहाली एवं गरिमा का सबसे बड़ा दायित्व आपके ऊपर है। जरूरत है तो केवल दृढ़ इच्छाशक्ति, प्रतिबद्धता, समर्पण और संकल्प शक्ति की।

हमारा सपना है कि वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित देश बने। इस दृष्टिकोण के अनुरूप ही भारत सरकार ने **'विकसित भारत @2047: युवाओं की आवाज'** की पहल की है। यह पहल देश के युवाओं को विकसित भारत के दृष्टिकोण में विचारों का योगदान करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी।

मेरा सभी युवाओं से अपील है कि आप पूरे मनोयोग से आगे बढ़ने का संकल्प लें, सरकार की कौशल विकास एवं प्रशिक्षण योजनाओं में सक्रिय भागीदार बनें, अपनी अभिरुचि वाले स्टार्टअप शुरू करने के लिए सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाएं।

स्वयं एक कुशल उद्यमी के रूप में आत्मनिर्भर बनें, दूसरों को रोजगार प्रदान करें और अपने कौशल एवं उद्यमशीलता से राष्ट्र की समृद्धि और विकास में अधिकाधिक योगदान दें।

मुझे बताया गया है कि 14वें असम राइजिंग युथ कॉन्क्लेव के अंतर्गत युवाओं के कौशल विकास, कृषि और बागवानी में रोजगार सृजन की क्षमता, बाल विवाह को समाप्त करने एवं युवतियों और महिलाओं के सशक्तिकरण से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। इसके अलावा 12वीं की पढ़ाई के बाद कैरियर के चयन में विद्यार्थियों के समझ आने वाली चुनौतियों और समस्याओं पर भी चर्चा की गई।

मैं समझता हूं कि यह एक महत्वपूर्ण विषय है, क्योंकि यह एक ऐसा अवसर होता है, जब युवा अपने पेशेवर जिंदगी की नींव रखता है। मैं आशा करता हूँ कि यह सम्मेलन हमारे युवाओं को भविष्य के आकार देने के लिए एक बहुत ही सार्थक मंच साबित होगा।

मैं पुनः संगठन को इन विषयों पर सार्थक चर्चा के लिए इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन करने के लिए धन्यवाद देता हूं और कामना करता हूं कि हमारे युवा जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित होंगे। अपने आपको सशक्त और कुशल बनाएंगे और “राष्ट्र प्रथम” के ध्येय के साथ “आत्मनिर्भर भारत” और “विकसित भारत” बनाने में योगदान देंगे।

अंत में आप सभी को मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद !

जय हिन्द !